वर्ष: 2026 अंक: प्रथम
छमाही : जनवरी-जून, 2026

वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुंबई 20

वस्त्र परिधान

ले बॉर्गेट, पेरिस में टेक्सवर्ल्ड और अपैलि सोर्सिंग शो
दिनांक 2-4 फरवरी 2026
में श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई, वस्त्र आयुक्त की सहभागिता

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय,

48, विट्ठलदास ठाकरसी मार्ग,निष्ठा भवन,

मुंबई -400 020

वस्त्र परिधान

वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुंबई 20

मुख्यालय, द्वारा प्रकाशित

अस्वीकरण: इस पत्रिका में प्रकाशित विभिन्न रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने निजी विचार हैं और किसी अवांछित संदर्भ के लिए वस्त्र आयुक्त कार्यालय जिम्मेदार नहीं है।

संपादक मंडल

संरक्षक

श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई

वस्त्र आयुक्त

प्रधान संपादक

डॉ. सर्वेश्वर भूरे

संयुक्त वस्त्र आयुक्त

संपादक मंडल

श्री सतीश कुमार सिंह,

निदेशक

श्रीमती वैदेही जोशी,

सहायक निदेशक(रा. भा.)

पत्र व्यवहार का पता

राजभाषा अनुभाग

चौथी मंजिल,

वस्त्र आयुक्त कार्यालय,

निष्ठा भवन, 48 न्यू मरीन लाईन्स,

मुंबई - 400020

ई मेल : hindi.txco@gmail.com

vaidehi22.joshi@gov.in

संरक्षक का संदेश

वस्त्र आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रकाशित वस्त्र परिधान के दूसरे चरण का प्रथम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है।

भाषा वह सशक्त माध्यम है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों, भावनाओं और ज्ञान को व्यक्त करता है। यह मानवीय सभ्यता के विकास और सामाजिक जुड़ाव का आधार है। भाषा के माध्यम से ही साहित्य, विज्ञान आदि का विकास संभव होता है। भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं है, बल्कि देश–काल की संस्कृति की आत्मा भी है। प्रत्येक क्षेत्र के अनुसार भाषा की प्रकृति भिन्न होती है। वैज्ञानिक, तकनीकी, साहित्यिक, प्रशासनिक तथा कार्यालयीन कार्यों में भाषा के विविध रूपों का प्रयोग किया जाता है।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि माननीय संसदीय राजभाषा समिति की तृतीय उपसमिति द्वारा दिनांक 17/01/2025 को वस्त्र आयुक्त कार्यालय का सफलतापूर्वक राजभाषा निरीक्षण किया गया। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है।

वस्त्र आयुक्त संगठन के मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों तथा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्रों में समय–समय पर विभिन्न विषयों पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उनमें से कुछ झलकियाँ इस अंक में आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही हैं।

वस्त्र आयुक्त कार्यालय का कार्य मुख्यतः तकनीकी स्वरूप का है। मुझे यह कहते हुए अत्यंत हर्ष होता है कि तकनीकी कार्य होने के बावजूद भी कार्यालय में अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में किया जा रहा है। इसका श्रेय संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाता है। संगठन के प्रमुख के रूप में मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा करती हूँ कि वे इसी प्रकार हिंदी के प्रचार–प्रसार में अपना योगदान देते रहें तथा वस्त्र परिधान के प्रकाशन में सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

इस अंक के लिए जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी रचनाएँ भेजी हैं, मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। साथ ही, जिन कार्यालयों द्वारा वस्त्र उद्योग से संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए, उनके प्रयास सराहनीय हैं। सभी क्षेत्रीय कार्यालयों एवं एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्रों से अपेक्षा है कि वे वस्त्र आयुक्त कार्यालय की प्रगति में निरंतर अपना योगदान देते रहें।

वृंदा देसाई

(वृंदा मनोहर देसाई)
वस्त्र आयुक्त

सत्यमेव जयते

संसदीय राजभाषा समिति

गृह मंत्रालय / भारत सरकार

निरीक्षण प्रमाण-पत्र

संसदीय राजभाषा समिति का गठन राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 4 के तहत वर्ष 1976 में किया गया। यह एक विशेषाधिकार प्राप्त समिति है। इस समिति में 30 संसद सदस्य हैं, 20 लोक सभा से और 10 राज्य सभा से। माननीय गृह मंत्री जी इस समिति के अध्यक्ष हैं। इस समिति का प्रमुख कार्य संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति का पुनरीक्षण और समीक्षा कर सिफारिशें करते हुए अपनी रिपोर्ट माननीय राष्ट्रपति जी को प्रस्तुत करना है।

इसी क्रम में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 17.01.2025 को वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, मुख्यालय, मुंबई का निरीक्षण किया गया। समिति द्वारा निरीक्षण में आपके कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग व कार्यान्वयन को उत्कृष्ट/ अच्छा/संतोषजनक पाया गया।

(भर्तृहरि महताब)
उपाध्यक्ष
संसदीय राजभाषा समिति

17/1/2025

(श्रीरंग आप्पा बारणे)
संयोजक
तीसरी उप-समिति

कार्यालय का पता: 11, तीन मूर्ति मार्ग, नई दिल्ली-110011, दूरभाष : 011-21411165/21411492
Email: 3rdsubcommittee@gmail.com

अनुक्रमणिका

01	संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा वस्त्र आयुक्त के कार्यालय का सफलतापूर्वक निरीक्षण	06-07
02	वस्त्र आयुक्त कार्यालय के मुख्यालय द्वारा हिंदी में किए गए उल्लेखनीय कार्य	08-09
03	मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का आयोजन	10-11
04	मुख्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू तथा वित्तीय जागरूकता पर कार्यशालाओं का आयोजन	12-13
05	मुख्यालय में 79 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन	14-15
06	मुख्यालय में मनाया गया हिन्दी पखवाड़ा /हिन्दी दिवस – 2025	16-17
07	एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, सूरत द्वारा शटललेस विविंग पर शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्रों का वितरण	18-19
08	एनटीटीएम योजना के तहत योजनाओं के बारे में जागरुकता के लिए बारत्रे ली एजुकेशन संस्थानों का दौरा	20-21
09	पावरलूम उद्योग के मज़दूरों की सुरक्षा और भलाई एवं आईटीएडीसी में नए बदलावों के बारे में जागरुकता के लिए आयोजित सेमिनार	22-23
10	आईटीएडीसी, नागरी– सरकारी योजनाओं पर एक जागरूकता बैठक	24
11	एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, मऊ में क्लस्टर समन्वय समिति की बैठक का आयोजन	25-27
12	आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हिन्दी का योगदान–श्रीमती वैदेही जोशी, सहायक निदेशक (रा. भा.) वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुख्यालय	28-30
13	सृष्टि का ताना – बाना – श्री विकास मोतीवाले, इंदौर	31
14	टैरिफ वस्त्र उद्योग पर असर – श्रीमती अंकिता जैन तकनीकी अधिकारी, वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा (उ.प्र.)	32-33
15	एक शहर जो कभी सोता नहीं – श्री दीपक कुमार, गेस्टेटनेर ऑपरेटर, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुख्यालय	34-36
16	घर – कु. कनिष्का गुप्ता (सुपुत्री – श्री एन.के.गुप्ता) वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुख्यालय	37
17	देवभूमि उत्तराखण्ड – श्रीमती भागीरथी चौबे, अवर श्रेणी लिपिक, वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा	38

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा वस्त्र आयुक्त के कार्यालय का सफलतापूर्वक निरीक्षण

दिनांक 17/01/2025 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा वस्त्र आयुक्त के कार्यालय का सफलतापूर्वक निरीक्षण किया गया । संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा वस्त्र आयुक्त के कार्यालय को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया । निरीक्षण के दौरान श्री अखिलेश कुमार, उप महा निदेशक एवं राजभाषा प्रभारी, वस्त्र मंत्रालय, श्रीमती रूप राशि तत्कालीन वस्त्र आयुक्त, श्री सतीश कुमार सिंह, निदेशक, श्रीमती अंशु गुप्ता, उप निदेशक (रा.भा.), श्रीमती वैदेही जोशी, सहायक निदेशक (रा.भा.) उपस्थित थे। संसदीय समिति के इस निरीक्षण को सफल बनाने में वस्त्र आयुक्त के कार्यालय के श्री सतीश कुमार सिंह, निदेशक, श्रीमती वैदेही जोशी, सहायक निदेशक (रा.भा.), श्री सतीश कुमार एन. सहायक निदेशक, गृह व्यवस्था अनुभाग, श्री सुबोध वासुदेव मणेकर, डाटा एंट्री ऑपरेटर (अब सेवा निवृत्त), श्री विकास गोस्वामी ,आशुलिपिक, क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई, श्री श्रीधर पाटील, अवर श्रेणी लिपिक, क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई, इन अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा तथा ऑरिएन्टल एजेंसी द्वारा नियुक्त कान्ट्रैक्ट कर्मचारी श्री साहिल अंकुश तळकर, एम डी ए, तथा साई कृपा एजेंसी द्वारा नियुक्त श्री चिराग पुरोहित, एम डी ए, श्री अर्जुन दळवी, एम डी ए, ने अपना सराहनीय योगदान दिया गया ।

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा वस्त्र आयुक्त के कार्यालय का सफलतापूर्वक निरीक्षण

वस्त्र आयुक्त कार्यालय, द्वारा हिंदी में किए गए उल्लेखनीय कार्य

● वस्त्र आयुक्त कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 के अवसर पर दिनांक 01 मार्च 2024 से 08 मार्च 2024 तक विभिन्न कार्यक्रमों/ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

● पुस्तक प्रदर्शनी – लोगों में पुस्तक पठन–पाठन की रुचि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दौर में कम होती जा रही है। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यालय के राजभाषा अनुभाग द्वारा दिनांक 05/03/2024 को पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। हिंदी साहित्यिक पुस्तकों, बाल साहित्य, वस्त्रोद्योग संबंधी पुस्तकों, महिला साहित्य, धार्मिक पुस्तकें प्रदर्शनी में रखी गयी थी । इस प्रदर्शनी को कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बहुत पसंद किया गया। यह पहली बार था जब इतनी सारी अलग अलग प्रकार की पुस्तकें उन तक मानो चलकर आयी थीं । काफी कार्मिक उनके पसंद की पुस्तकें पढ़ने हेतु ले गए ।

● स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा 'कामकाजी महिलाएं और उनका स्वास्थ्य' के विषय पर व्याख्यान– दिनांक 05/03/2024 को सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. आयेशा अंसारी को कार्यालय में आमंत्रित किया गया। उन्होंने बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं के समक्ष आने वाली समस्याओं तथा उनके उपायों के बारे में सभी महिलाओं को अवगत कराया। इसी कार्यशाला में श्रीमती भावना अंसारी, सेवा निवृत्त वाइस प्रिंसिपल, स्वामी विवेकानंद ज्युनियर कॉलेज, चेंबूर भी उपस्थित थीं। उन्होंने महिलाओं के शारिरीक स्वास्थ्य के अलावा मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ रखने पर जोर दिया।

● महिला सुरक्षा: जानिए अपने अधिकार, विषय पर व्याख्यान– भारतीय संविधान ने महिलाओं को प्रदत्त अधिकारों से रुबरु कराने हेतु दिनांक 07/03/2024 को सुप्रसिद्ध एडवोकेट श्रीमती नयना परदेशी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने महिलाओं के सामान्य अधिकार, पॉश एक्ट, व्यक्तियों के सामान्य अधिकारों को अत्यंत सटीक और अत्यंत सरल भाषा में व्याख्या की। तत्कालीन वस्त्र आयुक्त महोदया श्रीमती रूप राशी स्वयं इन सभी कार्यक्रमों में उपस्थित थी।

● संवाद सरिता –दिनांक 08 मार्च 2024 को तत्कालीन वस्त्र आयुक्त महोदया श्रीमती रूप राशी की अध्यक्षता में महिलाओं के लिये संवाद सरिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यालय के महिला कर्मचारियों द्वारा गीत गायन तथा अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया गया। महिला सशक्तिकरण पर कुछ विडियो ऑडियो क्लिप्स को भी प्रदर्शित किया गया।

तत्पश्चात तत्कालीन वस्त्र आयुक्त महोदया द्वारा महिला अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ संवाद प्रस्थापित किया और महिला कार्मिकों द्वारा उनके अनेक अनुभव साझा किये गये।

● अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 – दिनांक 07 मार्च, 2025 से 12 मार्च, 2025 तक वस्त्र आयुक्त कार्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि साड़ी वॉकेथॉन, वस्त्रोद्योग में बढ़ते महिला सहभाग पर चलचित्र का प्रदर्शन एवं मनोरंजनात्मक कार्यक्रम, रंगावली प्रदर्शन, डी सी पी डॉ. दीपाली धाटे द्वारा 'महिला सक्षमीकरण' पर व्याख्यान, श्रीमती चेतना पांचाल, डायटिशियन' सुपरमॉम और उसका आहार' विषय पर अत्यंत सूचनाप्रद व्याख्यानों का आयोजन किया गया। उपरोक्त दोनों व्याख्यानों में मुख्यालय के साथ–साथ सभी क्षेत्रीय कार्यालयों तथा आई टी ए डी सी की सभी महिला अधिकारियों कर्मचारियों को हायब्रिड माध्यम से सम्मिलित किया गया। मुख्यालय तथा अधीनस्थ कार्यालयों की महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर उपरोक्त सभी कार्यक्रमों को सफल बनाया। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों संबंधी पत्राचार, आमंत्रण पत्र हिन्दी में जारी किए गए। साथ ही सभी व्याख्यान हिन्दी भाषा में ही संचालित किए गए।

● आज की तेज–तर्रार दुनिया में, मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू बनकर उभरा है। दिनांक: 30/09/2025 को आयोजित कार्यशाला में सुश्री सिद्धि देशपांडे, संस्थापक और सीईओ तथा प्रमुख मनोवैज्ञानिक माइंडगार्डियन, मुंबई द्वारा 'दौड़ती भागती जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य' पर मार्गदर्शन किया गया। वक्ता द्वारा मानसशास्त्र जैसे जटिल विषय पर अत्यंत सरलता से उदबोधन किया गया। प्रतिभागियों के बीच रोचक खेल खेलकर अपने सहकर्मियों की सराहना करने से मिलने वाली सकारात्मकता की भावना को महसूस कराया गया और उसकी महत्ता को अधोरेखित किया गया।इस कार्यशाला का लाभ अधिक से अधिक व्यापक तौर पर प्रसारित होने के उद्देश्य से इसमें मुख्यालय के अधिकाधिक अधिकारियों / कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया था।

● वित्तीय जागरूकता संबंधी हिंदी माध्यम में किया गया आयोजन –दिनांक 24.07.2025 को आई डी बी आई बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा वित्तीय जागरूकता, वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाओं से सावधानी बरतने तथा विभिन्न योजनाओं के बारे में वस्त्र आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों से सुगम एवं सरल हिन्दी में संवाद स्थापित किया गया। कर्मचारियों द्वारा इसे काफी पसंद किया गया।

● 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस एवं 26 जनवरी को मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस पर अन्य कार्यालयों के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रमों का संचालन तथा इससे संबंधित पत्राचार आदि वस्त्र आयुक्त कार्यालय द्वारा पूर्णतः हिंदी में किया जाता है।

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, मुंबई
स्वच्छता पखवाड़ा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर दिनांक 07 मार्च, 2025 से 12 मार्च, 2025 तक वस्त्र आयुक्त कार्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । दिनांक 07– मार्च–2025 को साड़ी वॉकेथॉन का आयोजन किया, जिसमें मुख्यालय की सभी महिला अधिकारियों /कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। दिनांक 07–मार्च–2025 को ही वस्त्रोद्योग में बढ़ते महिला सहभाग पर चलचित्र का प्रदर्शन एवं मनोरंजनात्मक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुख्यालय के साथ ही एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों तथा विद्युत करघा सेवा केंद्रों की सभी महिला अधिकारियों /कर्मचारियों को हायब्रिड माध्यम से सम्मिलित किया गया। दिनांक 10–मार्च–2025 को रंगावली प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यालय की महिला कर्मचारियों द्वारा सक्रिय सहभाग लिया गया । दिनांक 11–मार्च–2025 को माननीय वस्त्र आयुक्त महोदया की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें महिला सक्षमीकरण पर डी सी पी दीपाली धाटे द्वारा अत्यंत उद्बोधक व्याख्यान दिया गया। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए दिनांक 11–मार्च–2025 को और एक कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें श्रीमती चेतना पांचाल, डायटिशियन 'सुपरमॉम और उसका आहार' विषय पर अत्यंत सूचनाप्रद व्याख्यान दिया गया। उपरोक्त दोनों व्याख्यानों में सभी क्षेत्रीय कार्यालयों तथा विद्युत करघा सेवा केंद्रों की सभी महिला अधिकारियों /कर्मचारियों को हायब्रिड माध्यम से सम्मिलित किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों संबंधी पत्राचार, आमंत्रण पत्र हिन्दी में जारी किए गए। साथ ही व्याख्यान भी हिन्दी भाषा में ही दिए गए ।

मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू : मानसिक स्वास्थ्य पर अभ्यास

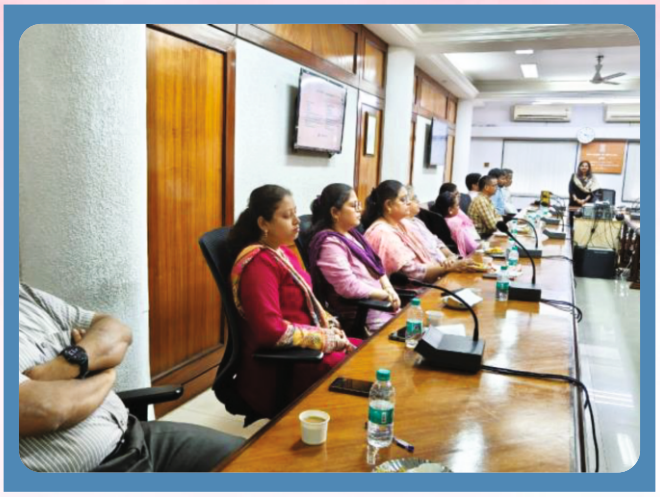

मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू

आज की तेज़–तर्रार दुनिया में, मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू बनकर उभरा है। वस्त्र आयुक्त कार्यालय के मुख्यालय में दिनांक: 30/09/2025 को आयोजित कार्यशाला में सुश्री सिद्धि देशपांडे, संस्थापक और सीईओ तथा प्रमुख मनोवैज्ञानिक माइंडगार्डियन, मुंबई द्वारा 'दौड़ती भागती जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य' पर मार्गदर्शन किया गया । वक्ता द्वारा मानसशास्त्र जैसे जटिल विषय पर अत्यंत सरलता से उद्बोधन किया गया । प्रतिभागियों के बीच रोचक खेल खेलकर अपने सहकर्मियों की सराहना करने से मिलने वाली सकारात्मकता की भावना को महसूस कराया गया और उसकी महत्ता को अधोरेखित किया गया ।

इस कार्यशाला का लाभ अधिक से अधिक व्यापक तौर पर प्रसारित होने के उद्देश्य से इसमें मुख्यालय के अधिकाधिक अधिकारियों /कर्मचारियों ने भाग लिया ।

वित्तीय जागरूकता

दिनांक 24.07.2025 को आई डी बी आई बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा वित्तीय जागरूकता, वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाओं से सावधानी बरतने तथा विभिन्न योजनाओं के बारे में वस्त्र आयुक्त कार्यालय के मुख्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों से सुगम एवं सरल हिन्दी में संवाद स्थापित किया गया। भाषा में सरलता एवं सुगमता के कारण अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा इसे काफी पसंद किया गया ।

79 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

79 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

वस्त्र आयुक्त कार्यालय (मुख्यालय) ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण(कैट), विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) कार्यालय और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग(सीपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से निष्ठा भवन, मुंबई में भारत का 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। मुंबई स्थित माननीय न्यायमूर्ति एम.जी. सेवलीकर (कैट) ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भारत की एकता, विविधता और देशभक्ति के चिरस्थायी मूल्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की। निष्ठा भवन, मुंबई के कर्मचारियों ने समारोह में बड़ी संख्या में भाग लिया।

निष्ठा भवन, मुंबई स्थित कार्यालयों अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए 13 अगस्त 2025 को निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,जिसमें निष्ठा भवन के अधिकाधिक अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बहुत उत्साह से भाग लिया गया । 14 अगस्त 2025 को विशेष सेल्फी पॉइंट का उदघाटन किया गया । विशेष सेल्फी पॉइंट के माध्यम से 'हर घर तिरंगा' अभियान को बढ़ावा दिया गया। निष्ठा भवन, मुंबई के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक विशेष सेल्फी बूथ पर सेल्फी लिए। इसी मौके पर सभी को तिरंगा बैज का वितरण किया गया । तत्पश्चात निष्ठा भवन, मुंबई परिसर में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया । रैली के बाद निष्ठा भवन, मुंबई के कर्मचारियों द्वारा निर्मित, निर्देशित एवं अभिनीत नुक्कड़ पथनाट्य का प्रस्तुतीकरण किया गया ।

15 अगस्त 2025 को निष्ठा भवन, मुंबई के प्रांगण में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन श्रीमती वैदेही जोशी, सहायक निदेशक (रा. भा.) द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम में निष्ठा भवन में स्थित कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके बच्चों द्वारा देशभक्ति पर गीत और नृत्य जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं, नुक्कड़ नाटक के प्रतिभागियों और बच्चों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। सभी ने महात्मा गांधी और खादी की विरासत को संजोए रखने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अधीन खादी और ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा निष्ठा भवन में स्थापित खादी इंडिया स्टॉल का भी दौरा किया।

निष्ठा भवन परिसर को तिरंगे रंग की रोशनी से सजाया गया था, जिससे उत्सव का माहौल और भी उत्साह से भर गया था। यह आयोजन सर्व समावेशकता को बढ़ावा देने के प्रति संगठन की अटूट प्रतिबद्धता का सफल था ।

वस्त्र आयुक्त कार्यालय (मुख्यालय)
हिन्दी पखवाड़ा/हिन्दी दिवस - 2025

वस्त्र आयुक्त कार्यालय में दिनांक 08.09.2025 से 19.10.2025 तक हिन्दी विषयक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

हिंदी पखवाडे के दौरान मुख्यालय तथा अधीनस्थ कार्यालयों के लिये 09 विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं, जैसे कि हिन्दी निबंध तथा तकनीकी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी टिप्पण/ आलेखन प्रतियोगिता, अनुवाद प्रतियोगिता आशुभाषण प्रतियोगिता, पोस्टर बनाना (हिन्दी दिवस से संबंधित विषय पर) हिंदी मुहावरे एवं लोकोक्ति प्रतियोगिता, श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एमटीएस कर्मचारियों के लिये),सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, हिंदी गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

मुख्यालय के साथ साथ ही सभी अधीनस्थ कार्यालयों के लिये गीत गायन प्रतियोगिता तथा आशुभाषण प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया तथा मुख्यालय की ओर से उनका मूल्यांकन किया गया । इन प्रतियोगिताओं को अधिकतर अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा काफी पसंद किया गया । इन सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । अधिकारियों/कर्मचारियों के अंदर छुपी सभी प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए इस वर्ष पहली बार पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को भी अधिकारियों / कर्मचारियों की काफी अच्छा प्रतिक्रिया प्राप्त हुई । सभी ने इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

दिनांक 15 नवंबर, 2025 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया । इसमें हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतियोगियों भाग लेने वाले अन्य प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र तथा प्रोत्साहन पुरस्कार वस्त्र आयुक्त महोदया के शुभ हस्तों से प्रदान किये गये । पुरस्कार की राशि प्रत्येक प्रतिभागी के बैंक खाते में जमा की गयी। प्रोत्साहन पुरस्कार में नगद राशि के साथ साथ हिन्दी साहित्यिक पुस्तक भी प्रदान की गई ।

मुख्यालय के अनुभागों की पिछले वर्ष की हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्टों के आधार पर सर्वाधिक हिंदी पत्राचार करने वाले 3 अनुभागों को वस्त्र आयुक्त महोदया के शुभ हस्तों से ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मनित किया गया ।

उसी प्रकार अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों एवं विद्युत करघा सेवा केंद्रों की गत वर्ष की हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्टों के आधार पर क,ख,तथा ग तीनों क्षेत्रों में सर्वाधिक हिंदी पत्राचार करने वाले ३–३ कार्यालयों/विद्युत करघा सेवा केंद्रों के नाम भी समारोह के दौरान घोषित किए गए । उनको प्रमाणपत्र डाक से प्रेषित किए गए।

इसके अतिरिक्त हिन्दी पखवाड़े के दौरान दिनांक: 30/09/2025 को आयोजित कार्यशाला में सुश्री सिद्धि देशपांडे, संस्थापक और सीईओ तथा प्रमुख मनोवैज्ञानिक माइंडगार्डियन, मुंबई द्वारा 'दौड़ती भागती जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य' पर मार्गदर्शन किया गया । वक्ता द्वारा मानसशास्त्र जैसे जटिल विषय पर अत्यंत सरलता से उद्बोधन किया गया । इस कार्यशाला का लाभ अधिक से अधिक व्यापक तौर पर प्रसारित होने के उद्देश्य से इसमें मुख्यालय के अधिकाधिक अधिकारियों /कर्मचारियों ने भाग लिया ।

'शटललेस विविंग पर शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम' के प्रशिक्षणार्थियों का प्रमाण पत्र वितरण

टेक्सटाइल सांख्यिकीय रिटर्न सिस्टम (टीएसआरएस), टेक्सटाइल उद्योग के सर्वे और बेंक लोन सहायता के ऊपर जागरूकता कार्यक्रम

आई.टी.ए.डी.सी., सूरत द्वारा दिनांक: 15.12.2025 को शटललेस वीविंग पर शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थीओ के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में साऊथ गुजरात चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एस.जी.सी.सी.आई.)के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं सूरत टेक्सटाइल क्लस्टर के जाने माने उद्योगपति श्री आशीषभाई गुजरातीं ने मुख्य अतिथि के रूप में और श्री सत्यनारायण रॉय, सहायक महाप्रबंधक, और श्री अजय कुमार यादव, वरिष्ठ प्रबंधक, लोन अनुभाग, बैंक ऑफ बड़ौदा, सूरत और श्री शरदभाई, आजीविका ब्यूरो, सूरत सभी गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर इस अवसर की शोभा बढ़ाई और प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 14 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

आरंभ में, आई.टी.ए.डी.सी., सूरत के सहायक निदेशक और प्रभारी अधिकारी श्री निलय एच. पंड्या ने श्री आशीषभाई गुजरातीं और अन्य सभी आमंत्रित सभी अतिथियों और सभी प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने आई.टी.ए.डी.सी., द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों और प्रदान की जा रही सेवाओं, टेक्सटाइल उद्योग के सर्वे की अनिवार्यता, टेक्सटाइल सांख्यिकीय रिटर्न सिस्टम (टीएसआरएस) एव बैंक लोन सहायता के बारे में जानकारी दी। इसके पश्चात्, श्री शरदभाई, आजीविका ब्यूरो, सूरत ने पावरलूम उद्योग में श्रमिकों के लिए बुनियादी सुविधाए जैसे कि शौचालय, स्वच्छ पीने के पानी, रहने की सुविधा इत्यादी की आवश्यकताओं पर जानकारी दी। ततपश्चात् श्री सत्यनारायण रॉय, सहायक महाप्रबंधक, और श्री अजय कुमार यादव, वरिष्ठ प्रबंधक ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा एमएसएमई के लिए उपलब्ध विभिन्न लोन योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री आशीषभाई गुजरातीं ने अपने भाषण में विविंग उद्योग को स्थापित करने के पहले, उसे योग्य रूप से चलाने और उसके विकास के लिए व्यवस्थित योजना बनाने एवं याद रखने योग्य बातें और चेकलिस्ट तैयार करने और खास करके वॉटर जेट, एयरजेट खरीद से पहले बाजार का अनुभव, यार्न एवं कपडे की वेराइटी और व्यापार करने के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और प्रशिक्षणार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए ।

कार्यक्रम का समापन श्री निलय एच. पंड्या द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

एनटीटीएम स्कीम (टेक्निकल टेक्सटाइल्स) के तहत योजनाओं के बारे में जागरुकता के लिए बारडोली एजुकेशन इंस्टीट्यूटस का दौरा

एनटीटीएम स्कीम (टेक्निकल टेक्सटाइल्स) के तहत योजनाओं के बारे में जागरुकता के लिए बारडोली एजुकेशन इंस्टीट्यूटस का दौरा

दिनांक: 06.12.2025 को, टेक्सटाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टी ए आई), सूरत ब्रांच के ऑफिस बेयरर्स, टेक्सटाइल इंडस्ट्री के ओनर्स और आईटीएडीसी, सूरत के सहायक निदेशक तथा प्रभारी अधिकारी श्री निलय एच. पंड्या द्वारा एकेडेमिया और टेक्सटाइल इंडस्ट्री के बीच ब्रिज बनाने के लिए निम्न लिखित इंस्टिट्यूट का दौरा किया गया

- कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर (सीईएफसी), बारडोली (यह सेंटर मिनिस्ट्री ऑफ़ हैवी इंडस्ट्रीज, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, गुजरात गवर्नमेंट और टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीएमएमए), मुंबई ने मिलकर बनाया है)
- आर.एन.जी पटेल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आरएनजीपीटी), बारडोली
- उका तरसाडिया यूनिवर्सिटी, बारडोली

सीईएफसी (जो कि आरएनजीपीटी, बारडोली के कैंपस में स्थित है), में विज़िटिंग टीम को वर्ल्ड क्लास मशीनरी का वास्तविक अनुभव मिला है, जो वस्त्र उद्योग के लिए 'नॉट फॉर प्रॉफिट' बेसिस पर मशीनरी के ज़रूरी सैंपल पार्ट्स बनाने में मददगार हो सकता है, और एम्प्लॉइज को ट्रेनिंग दे सकता है।

टीम ने आरएनजीपीटी, बारडोली के डायरेक्टर डॉ. लतेश बी. चौधरी और बाद में उका तरसाडिया यूनिवर्सिटी, बारडोली के सीईओ डॉ. दिनेश आर. शाह के साथ मीटिंग की। दोनों मेहमानों से मीटिंग के दौरान, विज़िटिंग टीम की उनके इंस्टीट्यूट में टेक्सटाइल से जुड़े ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने की संभावनाओं के बारे में अच्छी बातचीत हुई। श्री निलय एच. पंड्या ने दोनों मेहमानों को एनटीटीएम स्कीम के तहत भारत में टेक्निकल टेक्सटाइल एजुकेशन में एकेडमिक इंस्टीट्यूट को सक्षम बनाने के लिए सामान्य मार्गदर्शक तत्वों के बारे में संक्षेप में बताया।

पावरलूम उद्योग के मजदूरों की सुरक्षा और भलाई एवं ईएसआईसी में नए बदलावों के बारे में जागरुकता के लिए आयोजित सेमिनार

दिनांक: 19.12.2025 को साउथ गुजरात प्रोडक्टिविटी काउंसिल और आजीविका ब्यूरो, सूरत ने पावरलूम उद्योग के मज़दूरों की सुरक्षा और भलाई और ईएसआईसी के दायरे और लागू होने में नए बदलावों के बारे में जागरुकता के लिए एक संगोष्ठी आयोजित की। उक्त संगोष्ठी में, निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों ने अपना भाषण दिया:–

	नाम एवं पदनाम	भाषण का विषय
1.	श्री नीरव राणा, प्रमुख, एसजीपीसी, सूरत	साउथ गुजरात प्रोडक्टिविटी काउंसिल की विभिन्न सेवा एवं प्रवृत्तियाँ
2.	श्री निलय एच. पंड्या, सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी, आईटीएडीसी, सूरत, वस्त्र, आयुक्त कार्यालय।	1. आईटीएडीसी–सूरत का परिचय और चलाई जा रही गतिविधियाँ 2. टीएसआरएस वेब पोर्टल और उसमें रजिस्ट्रेशन के बारे में जागरूकता। 3. क्लस्टर मैपिंग सर्वे के बारे में जागरुकता । 4. समर्थ योजना 5. एनआईटीएम योजना 6. बैंकिंग / वित्तीय सेवाओं में हैंडहोल्डिंग सहायता
3.	श्री शरदभाई ज़गाई, आजीविका ब्यूरो, सूरत	पावरलूम उद्योग के मज़दूरों की सुरक्षा और भलाई
4.	श्री नेहल चोकसी, अरिहंत कंसल्टेंसी, सूरत	ईएसआईसी कानून के दायरे और नए बदलावों लागू होने के बारे में ।

उपरोक्त कार्यक्रम श्री नीरव राणा, प्रमुख, एसजीपीसी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।.

एनटीटीएम स्कीम (टेक्निकल टेक्सटाइल्स) के तहत योजनाओं के बारे में जागरुकता के लिए बारडोली एजुकेशन इंस्टीट्यूटस का दौरा

दिनांक: 06.12.2025 को, टेक्सटाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टी ए आई), सूरत ब्रांच के ऑफिस बेयरर्स, टेक्सटाइल इंडस्ट्री के ओनर्स और आईटीएडीसी, सूरत के सहायक निर्देशक, तथा प्रभारी अधिकारी श्री निलय एच. पंड्या द्वारा एकेडेमिया और टेक्सटाइल इंडस्ट्री के बीच ब्रिज बनाने के लिए निम्न लिखित इंस्टिट्यूट का दौरा किया गया

- कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर (सीईएफसी), बारडोली (यह सेंटर मिनिस्ट्री ऑफ़ हैवी इंडस्ट्रीज, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, गुजरात गवर्नमेंट और टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीएमएमए), मुंबई ने मिलकर बनाया है।)

- आर.एन.जी पटेल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आरएनजीपीटी), बारडोली
- उका तरसाडिया यूनिवर्सिटी, बारडोली

सीईएफसी (जो कि आरएनजीपीटी, बारडोली के कैंपस में स्थित है), में विज़िटिंग टीम को वर्ल्ड क्लास मशीनरी का प्रत्यक्ष अनुभव मिला है, जो वस्त्र उद्योग के लिए 'नॉट फॉर प्रॉफिट' बेसिस पर मशीनरी के ज़रूरी सैंपल पार्ट्स बनाने में मददगार हो सकता है, और एम्प्लॉइज को ट्रेनिंग दे सकता है।

टीम ने आरएनजीपीटी, बारडोली के डायरेक्टर डॉ. लतेश बी. चौधरी और बाद में उका तरसाडिया यूनिवर्सिटी, बारडोली के सीईओ डॉ. दिनेश आर. शाह के साथ मीटिंग की। दोनों मेहमानों से मीटिंग के दौरान, विज़िटिंग टीम की उनके इंस्टीट्यूट में टेक्सटाइल से जुड़े ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने की संभावनाओं के बारे में अच्छी बातचीत हुई। श्री निलय एच. पंड्या ने दोनों मेहमानों को एनटीटीएम स्कीम के तहत भारत में टेक्निकल टेक्सटाइल एजुकेशन में एकेडमिक इंस्टीट्यूट को सक्षम बनाने के लिए सामान्य मार्गदर्शक तत्वों के बारे में संक्षेप में बताया।

आईटीएडीसी, नागरी- सरकारी योजनाओं पर एक जागरूकता बैठक

आईटीएडीसी, नागरी ने डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज़ सेंटर, चित्तूर, आंध्र प्रदेश, और इंडियन बैंक, नागरी के साथ मिलकर 30.12.2025 को कम्युनिटी हॉल, नागरी में टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज़ के लिए सरकारी योजनाओं पर एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में कुशल बुनकरों, पावरलूम उद्यमियों और पावरलूम क्लस्टर के अन्य हितधारकों सहित लगभग ६५ प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वस्त्र और पावरलूम सेक्टर के विकास के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता और संस्थागत समर्थन के बारे में जागरूकता निर्माण करना था।

दिनांक 11/09/2025 को एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, मऊ में क्लस्टर समन्वय समिति की बैठक का आयोजन

दिनांक 11/09/2025 को एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, मऊ परिसर में क्लस्टर समन्वय समिति की बैठक का आयोजन शाम 4 बजे किया गया। कार्यालय के प्रभारी अधिकारी, श्री गोपाल निगम, सहायक निदेशक ने बैठक में आए सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक के एजेंडा के बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया।

पावरलूम क्लस्टर मऊ में मऊ पावरलूम क्लस्टर के उद्यमियो/ बुनकरों की समस्याओं पर चर्चा करने पर मेसर्स बाला जी जरी उद्योग, मऊ के श्री विनीत थरब ने कहा कि मऊ पावरलूम क्लस्टर में प्रोसेसिंग एवं फिनिशिंग की जरुरत है। डाइंग एवं प्रिंटिंग का भी कोई उद्योगपति प्रोजेक्ट यहां स्थापित कर दे तो समय एवं खर्चों की बचत होगी।

पावरलूम क्लस्टर मऊ में वस्त्र उद्योग की वृद्धि एवं विकास के सम्बन्ध में चर्चा करने पर जिला उद्योग केन्द्र के सदस्य श्री मृत्युंजय यादव, सहायक प्रबंधक ने कहा कि रैपियर लुम पर तैयार साड़ियों की गुणवत्ता ज्यादा अच्छी होती है। लोगों को लूम अपग्रेड करने के साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा रैपियर लूम लगाने पर जोर दिया क्योंकि उसमें साड़ी की कीमत और साड़ी की गुणवत्ता में काफी फर्क पड़ता है। मऊ में ताजोपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में कॉमन डिजाइन सेंटर एवं लैब का प्रोजेक्ट एमएसएमई के तरफ से स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

मऊ में उत्पादित साड़ियों में फैशन के अनुरुप डिजाइनिंग एवं एम्ब्राइडरी किये जाने की आवश्यकता पर चर्चा करने पर सहायक आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग, मऊ के सदस्य श्री आनंद शर्मा, इंडस्ट्रियल सुपरवाइजर, ने कहा कि मऊ क्लस्टर में साडियों में फैशन के अनुरुप डिजाइनिंग एवं एम्ब्राइबरी की जाने लगी है। जिससे मार्केट में मऊ की साडियों की मांग बढ़ी है। आजकल प्लेन कपडों की तरफ भी लोगों का रुझान है। यहां के लोगों को उत्पादन में विविधीकरण पर भी कार्य करना चाहिए जैसे कि रेडीमेड गारमेंट स्कूल के बच्चों की ड्रेस आदि पर भी लोगों को कार्य करना चाहिए ताकि यहां के लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सके एवं लोगों की जीविका को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी

सदस्य श्री सरफराजुद्दीन, मे. भारत इंडस्ट्रियल सोसायटी लिए, काजीटोला, मऊ ने बताया कि इस समय मार्केट अच्छी मिल रही है। मार्केट में कम एम्ब्राइडरी वाले कपड़ों की मांग हो रही है। छोटी बूटी वाले कपड़ों की डिमांड है।

डोमनपुरा मऊ से शामिल हुए जरी यार्न उद्यमी श्री ताहा अब्दुल्ला उत्पादन में विविधीकरण की आवश्यकता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मऊ जनपद में काफी बढ़ी संख्या में स्कूल कॉलेज है, जहां पर स्कूली ड्रेस के निर्माण के लिए रैपियर मशीनें स्थापित कर उस पर कपड़ा बनाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अपने कारखाने में जरी निर्माण के साथ–साथ रैपियर लूम लगाने हेतु प्रोजेक्ट बनाने पर विचार कर रहे हैं।।

डोमनपुरा मऊ से शामिल हुए जरी यार्न उद्यमी श्री ताहा अब्दुल्ला उत्पादन में विविधीकरण की आवश्यकता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मऊ जनपद में काफी बढ़ी संख्या में स्कूल कॉलेज है, जहां पर स्कूली ड्रेस के निर्माण के लिए रैपियर मशीनें स्थापित कर उस पर कपड़ा बनाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अपने कारखाने में जरी निर्माण के साथ–साथ रैपियर लूम लगाने हेतु प्रोजेक्ट बनाने पर विचार कर रहे हैं।।

आई.टी.ए.डी.सी मऊ द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025 एव मुख्यमंत्री पावरलूम विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

आई.टी.ए.डी.सी. मऊ के द्वारा प्रशिक्षण के दौरान टेक्सटाइल इण्डस्ट्री का विजिट।

आई.टी.ए.डी.सी. मऊ में द्वारा जरी धागे की टेस्टिंग (परीक्षण) ।

आई.टी.ए.डी.सी. मऊ द्वारा वस्त्र इकाइयों का टी.एस.आर.एस. पंजीकरण।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हिंदी का योगदान

श्रीमती वैदेही जोशी
सहायक निदेशक(रा.भा.)

मेरी मातृभाषा मराठी है, लेकिन मैं मराठी के साथ – साथ हिन्दी से बेहद प्रेम भाव रखती हूं। बहुत आश्चर्य होता है मुझे ऐसे लोगों का, जो अपनी ही भाषा की उपेक्षा कर विदेशी भाषा पर निर्भर रहते हैं। जब कि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं हमारे आदरणीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी देश–विदेशों में जनता से हिंदी में संवाद करते हैं तथा विश्व में हिंदी का परचम लहरा रहे हैं।

भारत में अनेक भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं। लेकिन इनमें से कुछ लोग विदेशी भाषा से लगाव रखते हैं। अंग्रेजी टूटी फूटी ही क्यों न आये उसे बोलने में अतीव प्रसन्नता मानते हैं। सरकारी कार्यालयों या बैंकों आदि में आवेदन देना हो तो हिंदी में लिखने के बजाय अंग्रेजी में लिखवाएंगे किसी आधे अधूरे अंग्रेजी स्वयंघोषित ज्ञानी से, लेकिन हिंदी जो कि अपनी भाषा है, उसमें लिखने में कमी महसूस करेंगे। अंग्रेज गये, अंग्रेजी छोड़ गये वाली कहावत को यथार्थ करते हैं। वास्तव में भारत में भाषाएं–उपभाषाएं मिलाकर भाषाओं का खजाना है फिर हमें किसी अन्य विदेशी भाषा की जरुरत ही क्यों पड़े।

भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। इस देश ने विश्व को कई सभ्यता देने के साथ विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी कई उपलब्धियां दी है, वह भी अपनी स्वदेशी भाषा में। विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने ऐसी खोजें की, जिसके बिना आज की दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। प्राचीन समय से ही भारत आत्मनिर्भर है प्रत्येक विधा में। बात सिर्फ इतनी है कि आधुनिकता की अंधी दौड में हमें आदत हो गयी है विदेशी भाषा, विदेशी उत्पादों को अपने रोजमर्रा के जीवन में उपयोग करने की। भारत में निम्नलिखित विधाओं का आविष्कार किया था तथा उन्हें संस्कृत ग्रंथों, श्लोकों में निरुपित किया –

1. शून्य एवं दशमलव प्रणाली का आविष्कार – भारत ने ही किया था शून्य एवं दशमलव प्रणाली का आविष्कार। गणित का आधार शून्य होता है और इसकी खोज गणितज्ञ आर्यभट्ट द्वारा प्राचीन भारत में की गई थी। यह हर समय काल की सबसे महत्वपूर्ण खोज मानी जाती है। आर्यभट्ट ने अपने सारे ग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे थे। भारत के इतिहास में जिसे 'गुप्तकाल' या 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है, उस समय भारत ने साहित्य, कला और विज्ञान क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की थी। उस समय मगध स्थित नालन्दा विश्वविद्यालय ज्ञानदान का प्रमुख और प्रसिद्ध केंद्र था। देश विदेश से विद्यार्थी ज्ञानार्जन के लिए यहाँ आते थे।

वहाँ खगोलशास्त्र के अध्ययन के लिए एक विशेष विभाग था। एक प्राचीन श्लोक के अनुसार आर्यभट्ट नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति भी थे। तब कहाँ थी भारतवर्ष में अंग्रेजी। अंग्रेजी को ही विज्ञान और तकनीकी की भाषा मानने वाले लोगों को इस बात पर चिंतन करने की आवश्यकता है । ग्रहों की स्थिति, ग्रहण, नक्षत्रों के आवर्तकाल, सौर प्रणाली की गतियाँ, बीजगणित सारी की सारी खोजें प्राचीन काल में ही भारत में आर्यभट्ट द्वारा की गई तथा उसे अपने संस्कृत ग्रन्थों में निरुपित किया गया ।

2. एक से नौ तक अंक गणित की दुनिया में एक और बड़ी खोज भी भारत ने ही की । भारतीयों ने करीब 500 ईसा पूर्व 1 से लेकर 9 तक हर अंक के लिए अलग–अलग प्रतीक खोजे, जिसे बाद में अरब लोगों ने अपनाया और इस इसे 'हिंद' अंक नाम दिया। बाद में इसी अंक व्यवस्था को पश्चिमी दुनिया ने अपनाया और इसे अरबी अंक नाम दिया, क्योंकि उनके पास यह व्यवस्था अरब व्यापारियों के माध्यम से पहुंची थी। अरेबिक अंक व्यवस्था असल में भारतीय ही है।

3. बाइनरी संख्याएं – आज की कंप्यूटर प्रोद्योगिकी बाइनरी संख्याओं पर निर्भर है। इसमें कंप्यूटर प्रोग्राम लिखे जाते हैं। बाइनरी में दो अंक होते हैं, 1 और 0, जिनके संयोजनों को बिट और बाइट कहते हैं। उल्लेख है कि बाइनरी व्यवस्था का पहला उल्लेख वैदिक विद्वान पिंगल की किताब चंद्रशास्त्र में मिलता है, जो कि संस्कृत में ही लिखी गयी थी । आज के समय में यही कंप्यूटर की भाषा है।

4. परमाणु की अवधारणा – आधुनिक समय में जॉन डॉल्टन को परमाणु का खोजकर्ता माना जाता है, लेकिन कहा जाता है कि प्राचीन भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक कणाद ने पहले ही परमाणु की खोज कर ली थी। उन्होंने एक परमाणु की तरह, अणु या छोटे अविनाशी कणों के अस्तित्व का अनुमान लगाया था ।

5. प्लास्टिक सर्जरी – भारत में 6 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में लिखी गई 'सुश्रुत संहिता' को प्राचीन सर्जरी में सबसे ज्यादा स्पष्ट पुस्तक माना जाता है, जो कि संस्कृत में ही लिखी गयी थी । इसमें विभिन्न बीमारियों, पौधों और इलाजों की जानकारी दी गई है। यहां तक कि इसमें प्लास्टिक सर्जरी की जटिल क्रियाओं का वर्णन भी किया गया है। नाक की सर्जरी, जिसे राइनोप्लास्टी कहते हैं, प्लास्टिक सर्जरी में सुश्रुत संहिता का जाना–माना योगदान है।

6. आयुर्वेद –चरक ने 'चरक संहिता' नामक संस्कृत पुस्तक से आयुर्वेद की आधारशिला रखी। यह पुस्तक आयुर्वेद के प्राचीन विज्ञान पर आधारित थी। निवारक दवा पर चरक की प्राचीन नियमावली दो सहस्राब्दियों तक इस विषय पर एक मानक कार्य बनी रही और अरबी और लैटिन सहित कई विदेशी भाषाओं में इसका अनुवाद किया गया।

संस्कृत भाषा का सरलतम रूप हिंदी भाषा ही है। हिंदी भाषा में संस्कृत के काफ़ी शब्दों का समावेश देखने को मिल जाएगा, जिसमें किसी भी विषय को इनमें पिरोया जा सकता है। इसकी एक मिसाल है समाचार चैनल । कुछ अरसे पहले जहाँ अंग्रेज़ी समाचार चैनलों का बोल–बाला था, वहाँ अब दर्जनों हिंदी समाचार चैनल हैं और ये न केवल टेलीविजन तक सीमित हैं, बल्कि सारे के सारे ऑनलाइन उपलब्ध हैं । दूसरा उदाहरण है विज्ञापनों का। मेरे बचपन में टेलीविजन पर अधिकतर विज्ञापन अंग्रेजी में आया करते थे । किंतु अब टेलीविजन पर अब एक से एक कलात्मक विज्ञापन हिंदी में आ रहे हैं जो कि अपनी भाषा में होने के कारण सीधे उपभोक्ताओं के दिल में उतर जाते हैं । यह रोजगार निर्माण का भी स्रोत बना। कुशल हिंदी निवेदकों, कलाकारों को इससे अर्थार्जन का अवसर मिला।

भारत कभी भी विदेशी भाषा एवं ज्ञान–विज्ञान पर निर्भर नहीं था। न प्राचीन समय में न आधुनिक समय में । इसका सबसे सर्वोत्तम और अद्यतन उदाहरण कोरोना महामारी की विकट और अप्रत्याशित स्थिति का दिया जा सकता है । जहाँ बाकी देश इस महामारी से जूझ रहे थे तथा किसी तरह अपनी जान की सुरक्षा में लगे हुए थे, तब भारत ने आपदा को अवसर बनाते हुए पीपीई किट, वेन्टिलेटर, एन–95 मास्क, सैनीटाइजर , इतना ही नहीं वैक्सीन का भी निर्माण भी अत्यल्प समय में कर लिया। इससे भी रोजगार निर्माण के कई अवसर उजागर हुए । पहले यही चीजें हमें विदेशों से मंगानी पड़ती

सृष्टि का ताना-बाना

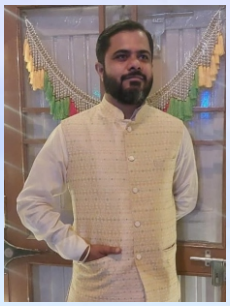

श्री विकास मोतीवाले, इंदौर

शून्य के निस्तब्ध गर्भ से, जब प्रथम स्पंदन जागा था,
ब्रह्म की उस आदि सोच ने, बुना एक मृदु धागा था।

अनंत की करघे पर बुनी, एक अनूठी यह चादर है,
साँसों के धागों से पिरोया, ईश्वर का यह सादर है।

प्रकृति के करघों पर तब, प्राणों का ताना–बाना था,
सृष्टि का यह जूतन अम्बर, ईश्वर का ही बाना था।

पाँच तत्वों की रुई को लेकर, कर्मों का सूत बनाया है,
माया के इस चित्रकार ने, अजब यह रंग चढ़ाया है।

जनम हुआ तो श्वेत ओढ़नी, निष्पाप मन की छाया थी,
कर्मों की सुई–धागों से, फिर सिली एक माया थी।

यह देह भी तो एक वस्त्र है, जिसे आत्मा ने पहना है,
संसार की इस रंगशाला में, हर जीव का यही गहना है।

कोई सात्विक श्वेत ओढे , कोई तामस के काले घेरे में,
पर सत्य तो वही है जो छिपा, अंतर्मन के मठ में।

कौशेय (रेशम) की कोमलता में अक्सर, अहंकार पल जाता है,
पर मिट्टी के इस पुतले का, वैभव अंत में ढल जाता है।

यह चोला जिसे हम देह कहते, बस एक किराए का घर है,
आत्मा तो चिरंतन है, वस्त्र का ही बस डर है।

जैसे मैला वस्त्र उतारकर, निर्मल नीर में धोते हैं,
वैसे ही हम ज्ञान की गंगा में, विकारों को खोते हैं।

उतर रही है देह–कांचली, जैसे जीर्ण दुपट्टा हो,
आत्मा तो वह तत्व विमल है, चाहे जग कितना खट्टा हो।

ये वस्त्र नहीं हैं पहचान तेरी, ये तो बस एक छलावा है,
भीतर बैठा जो सत्य है, बस वहीं बिना दिखावा है।

अंतिम सफर में साथी केवल, कर्मों का ही दुशाला होगा,
बाकी सब यहीं छूट जाएगा, जो भी आज उजाला होगा।

यह रेशम, यह मखमल सब, माटी का ही तो विस्तार है,
अंतिम सत्य तो वहीं, जिसका ब्रह्म ही आधार है

ले अब पहचान स्वयं को, तून वसन, न चोला है,
तू तो वह अविनाशी धागा, जो सबमें अबोला है।

ओढ़ सको तो शील ओढ़ो, पहन सको तो संतोष का पट,
वस्त्र वही जो खोल दे प्रभु के, हृदय के बंद कपाट के घट।

भक्ति का बाना पहनकर ही, वह परम पुरुष मिल पाता है,
जब उतरेगा नश्वर बाना, तब सीधा नाता जुड़ जाता है ।।

टैरिफ
वस्त्र उद्योग पर असर

श्रीमती अंकिता जैन
तकनीकी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय,
नोएडा (उ.प्र.)

'टैरिफ' आपको पता है क्या होता है टैरिफ? जब एक देश के द्वारा दूसरे देश से आने वाले सामानों पर जो आयात शुल्क लगाता है तो उसे टैरिफ कहते हैं। जैसे हमने 1000 रुपये की कीमत की वस्तु अमेरिका को दी और अमेरिकी सरकार ने उस पर 50% टैरिफ लगा दिया तो अब उस वस्तु की कीमत अमेरिकी बाजार में 1500 रुपये हो जाएगी अर्थातब टैरिफ से वस्तु का मूल्य बढ़ जाता है और मार्जिन मूल्य घट जाता है।

आपको पता है हाल ही में, अमेरिका ने भारतीय वस्त्र होम टेक्सटाइल पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। अमेरिका के इस टैरिफ से भारतीय वस्त्र उद्योग को एक बड़ा झटका लगा है क्योंकि भारत 20-25% वस्त्र निर्यात अमेरिका को ही करता है। पर अमेरिका ने हमारे साथ ऐसा किया क्यों? चलो, टैरिफ लगने के कुछ राजनैतिक कारणों की चर्चा करते हैं –

1. आपको पता ही होगा, भारत एविएशन इंडस्ट्रीजं में अभी बहुत पीछे है। हम विमान, फाइटर जैट सभी विमानों के लिए विदेशों पर निर्भर है। अमेरिका काफी लम्बे समय से भारत को F-35 विमान खरीदने का प्रस्ताव दे रहा था परंतु हमने F-35 विमान खरीदने से मना कर दिया और न सिर्फ रूस से हमने SU-57 विमान खरीदने का प्रस्ताव पेश किया बल्कि रूस से S-400 मिसाइल खरीद ली।

2. बहुत ही समय से यूक्रेन एवं रूस का युद्ध चल रहा है जिसमें अमेरिका युक्रेन को अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग कर रहा है एवं रूस के विरुद्ध कार्य कर रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस के विरुद्ध कार्य करे, उससे पेट्रोल, कच्चा तेल न खरीदे, पर चूंकि भारत को कच्चा तेल रूस से कम कीमत पर आसानी से प्राप्त हो रहा है, वह तेल का आयात नहीं रोक सकता है। कहीं न कहीं अमेरिकी राष्ट्रीय डोनाल्ड ट्रम्प को ऐसा लग रहा है कि सब कच्चा तेल खरीद कर रूस को आर्थिक मदद कर रहे हैं जिससे वो नाराज हैं।

3. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के परिवार ने अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा क्रिप्टोकरेंसी में लगा रखा है और भारतीय बाजार में क्रिप्टोकरेंसी की डिमाण्ड कम है और न ही भारतीय बाजार क्रिप्टो करेंसी को बढ़ावा देने में सहयोग कर रहा है यह कहीं न कहीं एक निजी कारण है जिसके चलते उन्होंने टैरिफ को बढ़ाया है।

4. BRICS पांच देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका) का समूह है। यह पांच देश दुनिया की जीडीपी का लगभग 44 % हिस्सा कवर करते है। यह देश चाहते हैं कि हम डॉलर की जगह R-5 एक नयी मुद्रा को आयात – निर्यात में उपयोग मे ले। अगपक्षक्ष ऐसा होता है तो अमेरिका की जीडीपी पर बहुत बुरा असर पड़ने वाला है। क्या आपको पता है कि अमेरिका करकार पर कुल ३७ ट्रीलियन का कर्ज है जो कि भारत की पूर्ण जीडीपी का 4 गुना है एवं अमेरिका सरकार लगभग १ ट्रीलियन का ब्याज चुकाती है यानि कि भारत की पूर्ण जीडीपी का एक चौथाई हिस्सा 1 अमेरिका टैरिफ के माध्यम से कर्ज को कम करना चाहता है एवं साथ ही साथ स्वदेशी वस्तुओं को सहारा देना चाहता है।

टैरिफ से भारतीय उद्योगों पर प्रभाव -

टैरिफ लगने से अब अन्य प्रतिस्पर्धा देश जैसे बांग्लादेश, वियतनाम कम कीमत पर अपना सामान अमेरिका को भेज रहे हैं। भारतीय उद्योगों के नए आर्डर रद्द हो रहे हैं, मुनाफे में कमी आ रही है, रोजगार पर प्रभाव पड़ रहा है।

हमें क्या करना चाहिये-

आपको याद है 2020 में कोविड (कोरोना) एक बीमारी आयी थी। उस बीमारी का नाम हमने पहले कभी नहीं सुना था पर ऐसा लग रहा था कि धीरे–धीरे उस बीमारी से हम सब खत्म हो जाएंगे। हम सबने उस बीमारी से बहुत झूंझा। पर क्या हम सब को उस समय हार मान लेनी चाहिये थी? नहीं ना। हम सब ने रिसर्च करी और आखिरकार वैक्सीन बनाकर न केवल हमने उस बीमारी को हराया बल्कि विदेशों में भी वैक्सीन भेज कर पारस्परिक संबंधों को मजबूत किया और कई लोगों की जान बचाई।

टैरिफ भी बिल्कुल कोविड जैसा ही है। हमें सिर्फ धैर्य से सही दिशा में सोचना है। अगर अमेरिकी बाजार का रास्ता बंद हुआ है तो हमें नए विकल्प जैसे यूरोप, अफ्रीका, एशिया के अन्य देशों में निर्यात को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। हमें वस्त्र में विभिन्न रिसर्च कर इस तरीके के परिधान बनाने की कोशिश करनी चाहिए जो कम लागत पर हों, उच्च गुणवत्ता से युक्त हों ताकि कहीं न कहीं विभिन्न देश भारत से वस्त्र को आयात करें।

वस्त्र उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवाचार, कौशल विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप गुणवत्ता सुधार पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। ऐसी समग्र रणनीति से वस्त्र उद्योग को टैरिफ के दुष्प्रभावों से उभरने में सहायता मिलेगी और वह आर्थिक विकास में अहम योगदान दे सकेगा।

एक शहर जो कभी सोता नहीं

श्री दीपक कुमार,
गेस्टेटनेर ऑपरेटर,
वस्त्र आयुक्त कार्यालय
(मुख्यालय)

टैक्सी नंबर 9211 का एक गीत जिसमें बप्पी दा कहते हैं 'शोला है, या है बिजुरिया, मुंबई नगरिया, दिल की नगरिया मुंबई नगरिया। अब शोला और बिजुरिया का तो पता नहीं, पर दिल की नगरिया तो है बंबई। सात टापुओं का यह खूबसूरत शहर, जिसे कोई माया नगरी तो कोई सपनों का शहर कहता है, पर मेरी नजर में यह अपनों के सपनों का शहर है। और सब यहां अपनों के सपनों के पीछे भाग रहे हैं। इस शहर की ऊंची–ऊंची इमारतों से भी ऊंचे लोगों के सपने और महत्वाकांक्षाएं हैं। लोग लगे हुए हैं दिन–रात उन्हें पूरा करने में, इसी लिए कहते हैं मुंबई जीवंत शहर है, यानी यह कभी सोता नहीं है। लोगों में यहां बंद आंखों से नहीं, खुली आंखों से सपने देखने का रिवाज है।

चार पुरुषार्थ में से एक, यानी 'अर्थ' की राजधानी है मुंबई।

यहीं का शेयर मार्केट पूरे देश की अर्थव्यवस्था का पैमाना सेट करता है। गिरते–उठते सेंसेक्स जीवन का सार बताते हैं, और सार यह है कि जीवन में उतार–चढ़ाव तो लगा रहेगा, तो **फिकर नॉट** ।

भारत का पेरिस कहे जाने वाले इस नगरी में फैशन सबसे पहिले रैंप वॉक करते हुए आती है यही देश के फैशन का ट्रेंड सेट करती है, बॉलीवुड की गलियों से निकलकर देश के अन्य हिस्सों में पहुंचती है। इसी फैशन इंडस्ट्री का अभिन्न अंग, कपड़ा इंडस्ट्री के विकास के लिए स्थापित किया गया, वस्त्र आयुक्त का मुख्य कार्यालय भी इसी फैशन नगरी, में है और वस्त्र उद्योग के विकास, आधुनिकीकरण और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यही वह शहर है, जहां सितारे जमीं पर रहते हैं और चमकते हैं सिनेमा के परदों पर। हर साल यहां हजारों फिल्में, सीरियल, वेब सीरीज छोटे–बड़े परदों पर रिलीज होती हैं। लाखों–करोड़ों रुपयों की कमाई होती है, लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। यही कारण है कि देश के कोने–कोने से कलाकार यहां अपनी कला को चरितार्थ करने आते हैं। अपने आप को उस ग्लैमर के पर्दे पर स्थापित करने की जी–तोड़ मेहनत करते हैं। यह शहर देशभर के कलाकारों की संगम स्थली है।

मुंबई की लोकल, जिसे मुंबई की लाइफ लाइन यानी जीवन रेखा कहते हैं, हर रोज लाखों लोगों को उनकी मंजिल तक पहुंचने में मदद करती है। वेस्टर्न, हार्बर और सेंट्रल ये तीन धमनियां हैं मुंबई की, जिन पर यह लोकल अनवरत सुबह से लेकर रात तक दौड़ती रहती है। हर रोज आज खूप गर्दी आहे* सुनने को मिलता है, पर जहां संभावनाएं आपका खुले बाहों से स्वागत कर रही हों, वहां ऐसी भीड़ तो होना स्वाभाविक ही है। लोकल की गर्दी का अंदाजा आप इस चुटकुले से लगा सकते हैं कि अगर आप को लोकल में यात्रा करते हुए पीठ पर खुजली हो जाए और आप अपनी पीठ खुजाने के लिए हाथ पीछे ले जाएं तो संभावना है कि दस में से आठ बार आप दूसरे की ही पीठ खुजा आएं।

जहां लोगों के निजी जीवन के रिश्तों में दूरियां बढ़ रही हैं, वहीं लोकल ही ऐसी जगह है, जहां लोग एक-दूसरे से आत्मीय संबंध बनाने जितने करीब आ जाते हैं। लोकल स्टेशन पर आते ही लोगों का पीठ पर टंगा हुआ बैग पेट पर आ जाता है। महिलाएं खुले बालों को जूड़े से और साड़ी कमर में कस के बांध लेती हैं, जैसे किसी से दो-दो हाथ करना हो। कहते हैं, घोड़ा ऐसा जीव है जो खड़े-खड़े सोता है, पर लोकल में ऐसे लोग भरे पड़े मिलेंगे जहां लोग खड़े-खड़े नींद की खुराक पूरी कर रहे होते हैं।

पर यह मनोरंजन की नगरी है, जहां लोग इतनी भीड़-भाड़ में भी अपने को खुश रखने का तरीका ढूंढ ही लेते हैं। यहां आपको वे लोग मिल जाएंगे जो पूरे साजो-सामान के साथ भजन-कीर्तन कर रहे होंगे, तो कोई किसी का बर्थडे सेलिब्रेट कर रहा होगा, तो कोई लूडो की काट-पीट मचा रखी होगी, तो कोई इक्के-बादशाह-गुलाम की चालें चल सफर की जीत को आसान बना रहा होगा।

यदि आपको पूरे भारत को एक जगह देखने की चाहत हो तो मुंबई जरूर आइए, क्योंकि एक छोटा भारत यहां बसता है। हर प्रदेश, हर मत, हर पंथ को मानने वाले लोग यहां रहते हैं, जो अपने साथ अपनी संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाज लाते हैं। मुंबई एक बहुभाषी शहर है। मराठी यहां की राजकीय भाषा है, लेकिन हिंदी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, भोजपुरी, पंजाबी और अंग्रेजी जैसी भाषाएं भी व्यापक रूप से बोली जाती हैं।
प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक धरोहरों को समेटे यह शहर घूमने के लिए शानदार जगह है।

मरीन ड्राइव

आइए कभी मरीन ड्राइव की बैठकी में बैठिए, पांव लटका के निहारिए विशाल समंदर को, सुनिए लहरों की तरंगों को। देखिए सूरज को दूसरे गोलार्ध में जाते हुए। मरीन ड्राइव पर बैठ के दूर रोशनी की जगमग में नहाई बिल्डिंगों को देखना आंख को बड़ा सुकून देता है। समंदर को छूकर आई मलयजी हवा जब शरीर को स्पर्श करती है तो रोम-रोम स्पंदित हो उठता है।

कोलाबा

घूमिए कोलाबा, फोर्ट की चौड़ी सड़कों पर, जिनके अगल–बगल बनी ब्रिटिश कालीन बिल्डिंगें आपको ऐसा अहसास कराएंगी जैसे आप यूरोप के किसी देश में टहल रहे हों।

जुहू

जुहू, अपने खूबसूरत समुद्र तट, जीवंत स्ट्रीट कल्चर और मनोरंजन के ढेरों विकल्पों के लिए जाना जाता है। हर अवस्था के लोग यहां समंदर के खारेपन से जीवन में मिठास घोलते हुए मिल जाएंगे। यहां बहुत सारे नामचीन सेलिब्रिटी के घर मिल जाएंगे, जहां उनके प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते हुए दिख जाएंगे।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

समंदर के बीचों–बीच बना यह लिंकिंग रोड मानव इंजीनियरिंग की अद्भुत कलाकारी है, जो बाहरी मुंबई का बर्ड–आई व्यू देता है।

भारत का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला गेटवे ऑफ इंडिया ब्रिटिश कालीन ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। बगल में ताज होटल, जिसके गुंबद के शीर्ष को पकड़के फोटो खींचाते लोग आपको मिल जाएंगे।

हैंगिंग गार्डन, एलिफेंटा गुफाएं, कन्हेरी गुफाएं, बैंड स्टैंड, बांद्रा स्काई वॉक, जहांगीर आर्ट गैलरी जैसी बहुत सारी जगहें मुंबई को एक्सप्लोर करने के लिए हैं।

अक्षर इन सब भौतिक चीजों से मन ऊबे, मन अध्यात्म की ओर दौड़े तो कर आइए दर्शन सिद्धिविनायक जी का, देख आइए बाबुलनाथ का प्राचीन मंदिर, राधे–राधे बोल आइए जुहू के इस्कॉन में, महालक्ष्मी के मंदिर से ले आइए धन्य–धान्य का आशीर्वाद। जिसके नाम पर मुंबई शहर का नाम पड़ा उस मुंबा आई के चरणों में नवा आइए शीश। घूम आइए बुद्ध के विपश्यना केंद्र।

आप आनंदित हो उठेंगे, ताजगी महसूस करेंगे और गुनगुनाते हुए बोलेंगे ⁎बम बम बम बम बंबई, बंबई हमको जम गई।

घर

कु. कनिष्का गुप्ता,
सुपुत्री – श्री एन. के. गुप्ता, उप निदेशक,
वस्त्र आयुक्त कार्यालय (मुख्यालय)

हाथ पकड़ के चलाया
जिसने तुम्हें
छोड़ कर उसे तुमने
देखे सपने पूरे
चाहा हर मुकाम
हो मुकाबला
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें
देखते हुए अपने सपने सारे।

खड़े वो चौराहे पे
जहां से सुनी थी पुकार तुमने
भागे थे उसके पीछे यूं
पहुँच कर
कर लिए तुमने अपने सपने पूरे
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें।

वो खुशबू तुम्हें जो
खींचती है हर पल
आज भी पुकारती है दिल से
कि आ खिलाऊं तुझे अपने हाथ से
मां कहकर तूने जो अपने दिल की बात कही
आज भी तेरे इंतजार में ताकती है
हर पल
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें।

मां की चप्पल, पापा की डांट खाई
अर्सा सा हुआ है
वो छोटी–छोटी गलियों से गुजरने
का पल सा गया है
चाट वाले अंकल से ५ रुपये में १० पूरी खाने
का वक्त सा गया है
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें।

जिन सपनों के पीछे अपने जो छूटे
लगता है महंगा सौदा कर बैठे
समझ जरा काम थी
निकले एक मुकाम पाने के लिए
अब हर ११ महीने में मकान देखते
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें।

चिड़ियों को देखकर उड़ना
चाहते थे तुम
कहा था मगर ये पता
कि उड़ने की पहली शर्त ये होगी
कि छूटेगा वो घोंसला
अब तो घर से आ गए हो इतना दूर
कि अपनों के साथ वक्त बिताना भी ख़्वाब सा लगा
आखिर छोड़ आए हो तुम उन्हें।

हंसी को ओढ़ के जाते हो तुम
दर–दर ठोकरें खाते
कब तक ये नाकाम पहनकर
दौड़ना चाहते हो तुम
अब कुछ पराये तेरे होंगे अपने से
पर शाम को वो न चलते घर
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें।

तेरी मेहनत को देखकर
आज भी मुस्कराती है वो
और आज भी उसे देखकर
तेरा दिल खुश होता सा है
चाहे तू रखे कितने गलत कदम
खड़ी है मां तेरे पीछे
तेरे इंतजार में
बस इतना दूर न जाना
कि घर आने का रास्ता
धुंधला सा लगे
आखिर छोड़ आए तुम उन्हें।

देवभूमि उत्तराखण्ड

श्रीमती भागीरथी चौबे
अवर श्रेणी लिपिक,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा

गर्व करने की हैं बातें सारी,
जन्मभूमि जो है उत्तराखण्ड हमारी।
अद्भुत है विविधता, कि बस देखते ही बनती है,
कहीं मैदान तो कहीं पर्वतमालाएं श्रृंगार करती।
प्रकृति ने बरसाई हो जैसे अपार संपदा,
झरनों और हिमखण्डों ने इसकी सूरत संवारी।
उम्मीद की अलख जगाती अनवरत बहना हमें सिखाती,
गंगा है, सरयू है, अलकनंदा है या फिर है वो भागीरथी।
पथिक जब कोई शोरगुल और शहरों की आपाधापी में मुरझा जाता है,
तो बॉज बुराश और काफल की हवा पाकर वो फिर खिलसा जाता है।
ऐसी समृद्धि है, संस्कृति और विचारों में,
देवभूमि की झलक मिलती है, यहां के त्यौहारों में,
हिलजात्रा पर निकल पड़ता है कभी लखिया भूत,
तो घुघुते की माला कभी बच्चों को है लुभाती।
गाँव भी तो, यहां सौहार्द का पाठ पढ़ाते हैं,
आज भी जहां लोग बिन ताले के द्वार छोड़, घर से निकल जाते हैं।
इक बार जो आये वो बस यहीं का होकर रह जाए,
हां, धरा पर स्वर्ग है यह मातृभूमि हमारी।

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, पी.ओ. रेयॉन सिल्क मिल्स, पॉलीटेक्निक रोड, छेहत्तरा, अमृतसर – 143 104
दूरभाष : 0183-2452214
ई मेल : rotxcasr@gmail.com
amritsar-rotxc@nic.in

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, शेड नं. 7/8, 14 वी क्रॉस, पीनया 2 रा स्टेज, पीनया इंडस्ट्रीयल एरिया, बैंगलूर – 560 058
दूरभाष : 080-28367439
ई मेल : bangalore-rotxc@nic.in
textilebangalore@gmail.com

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, बहुतलीय कार्यालय भवन, (एम.एस.ओ. बिल्डिंग) तृतीय तल, (सब ब्लॉक ए और सी) ब्लॉक डी. एफ साल्ट सिटी, कोलकाता – 700 064
दूरभाष : 033-23344998
ई मेल :rotxckol@gmail.com
kolkata-rotxc@nic.in

प्रभारी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, 3-28-18/1, प्रथम तल, नॉरविच टॉवर्स, 2nd lane, बृदांवन गार्डन, गुंतुर, आन्ध्र प्रदेश- 522006
दूरभाष : 0863-2261412
ई मेल : guntur.rotxc@gov.in

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, चिंतामणी को ऑप. सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, पी.एस.पुरम, मेट्टुपालायम रोड, कोयम्बतूर – 641 002
दूरभाष : 0422-2543403
फैक्स : 0422-2543503
ई मेल : coimbatore-rotx@nic.in

प्रभारी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, केन्द्रीय सदन, 5 वी मंजिल, 'सी' विंग, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास, निर्मला देवी मार्ग, सेक्टर – 10, सी. बी. डी. बेलापुर, नवी मुंबई – 400 614
दूरभाष : 022-27560645
ई मेल: : mumbai-rotxc@nic.in
rotxcmumbai@gmail.com

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, ए-2, दूसरी मंजिल, (एन.एच.डी.सी. बिल्डिंग)
उद्योग मार्ग, सेक्टर-2.
नोएडा.-201 301
ई मेल : rotxcnoida@gmail.com
noida-rotxc@nic.in,

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, कारपोरेट ब्लॉक, रेडीमेड गारमेंट कॉम्प्लेक्स, परदेशी पुरा,
इंदौर - 452 011
दूरभाष: 91-0731-2572261
ईमेल:rotxcnoida@gmail.com
noida-rotxc@nic.in

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, दूसरी मंजिल, एनटीसी प्लाजा, सरकारी लिथो प्रेस के पास, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380 004
दूरभाष : 079-25391899/25350366
ई मेल : ahmedabad-rotxc@nic.in
rotcahd@gmail.com

प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, 181-184, प्रथम तल, शारदा नगर, कानपुर - 208 024 (उ.प्र.)
दूरभाष : 0512-2581063
ई मेल: rotxckan@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, रीको औद्योगिक क्षेत्र,
मकराना चौराहा,
मदनगंज-किशनगढ़,
जिला-अजमेर
(राजस्थान) – 305 801
दूरभाष : 01463-294659
ई मेल :kishangarh-psc@nic.in,
Psc_ksg@yahoo.co.in

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, शशी भवन, जैन मंदिर के रोड़,
पो. नाथनगर, भागलपुर – 812 006 (बिहार)
दूरभाष : +91-0641-2501498
ई मेल : bhagalpur-psc@nic.in
pscbgp@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
निझामुद्दीनपुरा, मऊ – 275 101
दूरभाष : 0547-2220072
ई मेल : mau-psc@nic.in

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
मिलपाड़ा पो. ऑ. राणाघाट, जिला – नदीया – 741 201
दूरभाष : 91-03473-284350
ई मेल : ranaghat-psc@nic.in

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, औद्योगिक संघ लि. किडवाई रोड, मालेगांव, नाशिक -423 203 (महाराष्ट्र)
दूरभाष :02554-230203

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र, वेस्ट विंग, दूसरा तल, न्यू सेक्रेटरिएट बिल्डींग, सिविल लाईन्स, नागपूर – 440 001
दूरभाष :712-2564246

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
9, इंड्रिस्ट्रियल इस्टेट, बुरहानपुर – 450 331
दूरभाष : 91-07325-245934
ई मेल : txcpscbrn@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
2/218, ए जगन्नाथपुरम कॉलोनी, सुरमपटी, ईरोड -638 009
दूरभाष : 91-0424-2271357
ई मेल : adpscerode@gmail.com
pscerode-otxc@gov.in

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
MY/19/525 A, मिनी इंड्रिस्ट्रियल इस्टेट,
म्युन्सिपल बिल्डिंग, सिटी पोलीस स्टेशन के पास,
मराक्कार कैंडी, पी. ओ. थरुयील, कन्नूर – 670 003
दूरभाष : 91-0497-2734950
ई मेल : kannur-psc@nic.in

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
कमरा संख्या- 401, 4 थी मंजिल , सी जी ओ टॉवर्स , कवाडीगुडा , सिकंदराबाद, हैदराबाद – 500 080
ई मेल : hyderabad-psc@nic.in
दूरभाष : 91-040-27627885

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
407/410, ए.के. रोड,न्यू जी. आई . डी. सी. इंडस्ट्रियल इस्टेट, कातरगांव, सूरत- 395 008, गुजरात
दूरभाष : 91-0261-2481249
ई मेल : pscsurat@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
सी - 1/14, GIDC
इंडस्ट्रियल इस्टेट,उमरगांव- 396 171,
जिला-वलसाड, गुजरात
दूरभाष: 260-2563263
ई मेल : umargaon-psc@nic.in
pscumg@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
पी.ओ. रेयॉन सिल्क मिल्स,
पॉलीटेक्निक रोड, छेहत्तरा, अमृतसर- 143 104
दूरभाष : 91-0183-2258472
ई मेल : amritsarpsc@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
ए-217, पहली मंजिल, आई.टी.टी. बिल्डींग,
चौद्वार, जिला कटक,
ओडिशा– 754 025दूरभाष : 91-0671-2493974
ई मेल : cuttack-psc@nic.in
txcpscctc@gmail.com

सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र,
एस. नं. 183/1, पालिपत मेन रोड़, पुडुपेट, नागरी मंडल, जिला- चित्तोर – 571 590
दूरभाष : 91-08577-235135
ई मेल : pscnagari@gmail.com,
nagari-psc@nic.in

"भारत में कपड़ा उद्योग के 10 प्रमुख केंद्र"

@surestudy1

सूरत - गुजरात
सिल्क लिटी, टेक्सटाहल हब

लुधियाना - पंजाव
ऊनी कमड़े, स्टेटर, होजरी

तिरुपूर - तमिलनाडु
भारत की मिटबिधर राजधामी

अहमदावाद - गुजरात
भारत का मैननेस्स्र

वाराणसी - उत्तर प्रदेश
बनारसी सिल्क साड़ियां

मुंबई - महाराष्ट्र
MUMBAI - MAHABASHTRA
सूटी वला म फैशन उसोग

कांचीपुरम - तमिलनाइ
KANCHIPURAM - TAMIL NADU
कांजीबरम सिल्क साहियॉ

कोयंवदूर - तमिलनाइ
COIMBATORE - TAMIL NADU
दशिान भारत का मेंनचेस्टर

पानीपत - हरियाणा
PANIPAT - HARYANA
होम टेक्सटाइल्स

भीलवाड़ा - राजस
BHILWARA - RAJASTH
टेक्सटाइल सिटी

वस्त्र आयुक्त कार्यालय, मुंबई 400020